



कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
अस्थाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग, घनसाली, मुख्यालय-घुमेटीधार
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
TEMPORARY DIVISION, PUBLIC WORK DEPARTMENT,
GHANSALI, HEAD QUARTER-GHUMETIDHAR

P.O. Pilkhi, Pin Code-249181

Website- <http://pwd.uk.gov.in>

Phone and Fax No. 01379-258327

E-Mail :- cepwdghansali@rediffmail.com

दिनांक- 19/12/2020

पत्रांक :- 1456/1078

सेवा में,

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,

क्षेत्रीय कार्यालय (उत्तर-मध्य क्षेत्र),

25 सुभाष रोड, देहरादून।

विषय :-

जनपद टिहरी गढ़वाल के विकास खण्ड-भिलगना में पौखार-गेंवली (भिलग) मोटर मार्ग का नव निर्माण कार्य हेतु वन भूमि हस्तांतरण प्रस्ताव के सम्बन्ध में। (लम्बाई-10.00 कि०मी०)।

सन्दर्भ :-

आपका कार्यालय पत्रांक फाईल संख्या-08 बी०/यू०सी०पी०/06/129/2018/एफ०सी० दिनांक 11.12.2020।

महोदय,

उपरोक्त विषयक पायी गई आपत्तियों का बिन्दुवार निराकरण कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

क्र० सं०	लगायी गयी आपत्तियाँ	आपत्तियों का निराकरण
01.	प्रस्ताव को आर०ई०सी० दिनांक 30.09.2019 के बैठक में चर्चा हेतु रखा गया तथा आर०ई०सी० द्वारा प्रस्ताव पर लिए निर्णय के अनुसार प्रस्तावित क्षेत्र को घटाकर 4.3 हे० वनभूमि (पूर्व में 6.405 हे०) कर दिया गया है, किन्तु इसकी जानकारी ऑनलाइन पैरा बी० 2.3 तथा 2.4 पर ही सशोधित की है अथवा अन्य स्थान पर जानकारी यथानुसार अमरित है।	आपत्ति का निराकरण कर दिया गया है।
02.	राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत उतर भी इस कार्यलय के पत्र दिनांक-12.09.2019 के सापेक्ष दिया गया है। न कि आर०ई०सी० की बैठक के मिनट्स दिनांक 04.10.2019 के अनुसार।	दिनांक 04.10.2019 को सम्पन्न आ०ई०सी० की बैठक में जारी मिनट्स के अनुसार जवाब तैयार कर प्रस्तुत है (Not for justification संलग्न)।
03.	राज्य सरकार लमविन्त होने वाले ग्राम की स्थिति KML File पर अंकित कर ऑनलाइन पैरा-C (ii) b, Part I पर अपलोड करें साथ ही पूर्व एवं पुनरीक्षित दोनों समरखण को अलग-अलग रंगों से KML File पर प्रदर्शित करें।	KML File में लाभान्वित ग्राम को दर्शाते हुये KML File अपलोड कर दी गयी है।
04.	प्रस्ताव को आगामी आर०ई०सी० की बैठक में रखा जाना सुनिश्चित किया गया है। प्रयोक्ता अभिकरण तथा सम्बन्धित वनमण्डल अधिकारी से अपेक्षित है कि प्रस्तुत जवाब पर आ०ई०सी० के समक्ष प्रस्तुतिकरण करने का काष्ट करें।	प्रस्ताव में पायी गयी आपत्तियों का निराकरण प्रस्तुत जवाब प्रयोक्ता अभिकरण आगामी आर०ई०सी० की बैठक में उपस्थित हो जायेंगे।

(ई० डी० सी० नौटियाल)

अधिशासी अभियन्ता,

अ.ख., लो. नि. वि., घनसाली,

मुख्यालय-घुमेटीधार

JUSTIFICATION

कार्य का नाम :- राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद टिहरी गढ़वाल के विकास खण्ड मिलंगना में पोखार - गेंवली (मिलंग) मोटर मार्ग का नव निर्माण कार्य। (मार्ग के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (लम्बाई- 10.00 किमी०)

प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा प्रस्तावित कार्य हेतु वनभूमि की मांग पूर्ण औचित्य दर्शाते हुए विस्तृत आख्या निम्नवत है।

उक्त मार्ग की स्वीकृति के अनुपालन में राज्य योजना के अन्तर्गत ग्राम- पोखार - गेंवली (मिलंग) मोटर मार्ग के नवनिर्माण हेतु मार्ग का वास्तविक सर्वेक्षण करने के उपरान्त मार्ग की वास्तविक लम्बाई 10.00 कि०मी० आंकि है। ग्राम-गेंवली के चारों ओर आरक्षित वनभूमि पड़ती है, जिस कारण आरक्षित वनभूमि से ही इस मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना है। इसके अतिरिक्त वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नहीं है। यह संरेखण ग्राम- पोखार - गेंवली (मिलंग) से होकर गुजरता है, जिनकी आबादी लगभग- 641 है। प्रस्तावित मोटर मार्ग के संरेखण में 8500.00 मीटर आरक्षित वनभूमि, 650.00 मीटर सिविल सोयम भूमि एवं 850.00 मीटर नापभूमि प्रभावित हो रही है, जो कि न्यूनतम एवं अपरिहार्य एवं वनभूमि की मांग न्यूनतम है। प्रस्तावित संरेखण घनसाली-घुत्तू मोटर मार्ग के कि०मी०-11.00 से प्रारम्भ होकर ग्रामसभा पोखार से ग्राम गेंवली को जोड़ते हुए पजगांव से पूर्व आरक्षित वनभूमि में समाप्त होता है। मार्ग के अन्तिम में ग्रामसभा पोखार एवं गेंवली के काश्तकारों की कृषिभूमि पड़ती है, इसलिए स्थानीय काश्तकारों का स्पष्ट कहना है की प्रस्तावित संरेखण पजगांव से पूर्व पड़ने वाली हमारी कृषिभूमि एवं छान (गौशाला) तक होना चाहिये, इसलिए प्रस्तावित मार्ग का संरेखण पजगांव से पूर्व आरक्षित वनभूमि में समाप्त किया गया है। ग्राम- पोखार - गेंवली (मिलंग) में उन्नत कृषिभूमि होने के कारण क्षेत्र की जनता का मुख्य व्यवसाय कृषि, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन है, यातायात की सुविधा होने से ग्रामीण अपनी फसल, दुग्ध उत्पादित पदार्थों को नजदिकीय बाजार में बेच सकेंगे, जिससे स्थानीय रोजगार उत्पन्न होगा एवं काश्तकारों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। भविष्य में यह मोटर मार्ग रानीगढ-लैणी-बुढवा मोटर मार्ग, चमियाला-कांगडा मोटर एवं कर्णगांव-राजराजेश्वरी मोटर मार्ग से जुड़ जायेगा। जिससे ब्लॉक मिलंगना की वासर एवं केमर पट्टी हेतु यह मोटर मार्ग बाईपास के रूप में भी कार्य करेगा एवं क्षेत्र का चहुमुखी विकास होगा।

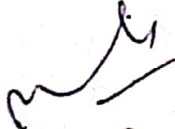
दिनांक-04.10.2019 को सम्पन्न आर०ई०सी० की बैठक में प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में प्रस्तावित मार्ग के पुनः संरेखण एवं निरीक्षण हेतु विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्थानीय जनता के साथ वार्तालाप किया गया किन्तु स्थानीय जनता ने पुनरीक्षित संरेखण किये जाने का विरोध किया एवं पूर्व में किये गये संरेखण पर ही सहमति दी, यदि पूर्व में किये गये संरेखण इतर यदि किसी अन्य स्थान से संरेखण किया जाता है, तो इस पुनरीक्षित संरेखण में दूसरी ग्रामसभा (ज्युन्दाणा) की कृषिभूमि, अत्यधिक संख्या में वृक्षों का पातन, पेयजल लाईन, गौशाला, भवन आदि की अत्यधिक क्षति होगी, एवं परियोजना की निर्माण लागत भी अधिक होने की पूर्ण सम्भावना है, यदि पुनरीक्षित संरेखण किया जाता है, तो पुनरीक्षित संरेखण भी पोखार

ग्रामसभा से होकर ही ग्राम गेंवली को जोड़ेगा, जो कि पूर्व में किये गये प्रस्तावित संरक्षण पर ही मिलेगा। अतः स्थानीय जनता, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय कर्मचारियों/अधिकारियों द्वारा यह निर्णय लिया गया है, कि पूर्व में प्रस्तावित संरक्षण ही प्रत्येक दृष्टीकोण से सर्वदा उचित प्रतीत हो रहा है। इस संरक्षण के इतार कोई अन्य संरक्षण ग्रामसभा गेंवली को जोड़ने हेतु उपयुक्त नहीं है।

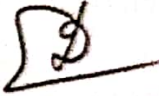
ग्राम गेंवली (मिलंग) जनपद टिहरी गढ़वाल का दुर्गम ग्राम है, जिसकी जिला मुख्यालय से रोड हैड घनसाली तक दूरी 65.00 एवं विकास खण्ड मुख्यालय तहसील घनसाली मुख्यालय से दूरी 10.00 कि०मी० एवं रोड हैड ग्राम पोखार से ग्राम गेंवली की पैदल सम्पर्क मार्ग की दूरी 5.00 कि०मी० है। वर्तमान में इसके अतिरिक्त कोई अन्य वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध न होने के कारण गेंवली ग्राम की स्थानीय जनता को पैदल ही आवाजायी करनी पड़ती है, क्षेत्र का एक मात्र इण्टर कॉलेज कुमशिला में होने के कारण विद्यार्थियों को 8.00 कि०मी० पैदल आवाजायी करनी पड़ती है। बुजुर्ग व्यक्तियों को बिमार होने की स्थिति में डण्डी एवं कण्डी के माध्यम से ही पूर्व निर्मित घनसाली-धुल्लू मोटर मार्ग तक पैदल ही लाना पड़ता है। उक्त मोटर मार्ग के बन जाने के फलस्वरूप स्थानीय जनता को यातायात की सुविधा मिल जायेगी, जिससे प्रत्यक्ष एवं अपरोक्ष रूप से स्थानीय जनता को आर्थिक लाभ एवं गांव से पलायन को रोकने में भी कारगर साबित होगा।


कनिष्ठ अभियन्ता,

अ०ख०, लो०नि०वि०, घनसाली

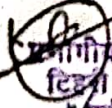

सहायक अभियन्ता,

अ०ख०, लो०नि०वि०, घनसाली


अधिशासी अभियन्ता,

अ०ख०, लो०नि०वि०, घनसाली

प्रतिहस्ताक्षरित


विभागीय कनिष्ठ अभियन्ता
टिहरी गढ़वाल
गेंवली टिहरी